फरीदाबाद
मजदूर समाचार
अनुभवों तथा विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

व्हाट्सएप के जरिये भी अपनी बातें हम तक पहुँचा कर चर्चा का दायरा बढायें। मजदूर समाचार फोन पर पायें और अपने ग्रुपों में भेज कर आदान-प्रदान बढायें। हमारे इस नम्बर पर व्हाट्सएप मैसेज भेजें : 9643246782

नई सीरीज नम्बर 376 अक्टूबर 2019

छनछनाहट

एक चाय दो। मेरी दस कॉपी आ गई क्या?

तेरी कॉपी रखी हैं। चाय थोड़ी अदरक के साथ?

कम्पनियाँ जो करती हैं अपनी मर्जी से करती हैं। अखबार-शखबार से क्या हो जाता है?

रात दो बजे छूटे थे। कुछ ग्रुप में चले गये। कुछ हम लोग फैक्ट्री में ही सो गये। एक मजेदार सपना आया। एक गेण्डा पीछे आ रहा था। मुड़ के देखा तो हँसा। कछुये की चाल से आ रहा था।

गेण्डे ने अखबार पढ लिया था क्या?

पता नहीं। स्लो तो हो ही गया था। ब्रेक तो लग ही जाते हैं।

मेरी दस कॉपी तीस-चालीस लोगों के बीच माहौल जमा देती हैं। गौर से देखी और सुनी हुई बातों को फलने-फूलने की जगह मिलती है। इसका अपने आप में ही महत्व है।

प्रतिनिधित्व की, नुमाइन्दगी की बात ना हो, सत्ता की दाँव-पेंच ना हों, और विलाप ना हों तो भाषा और सोच किस तरह की होगी?

एकदम यही बात है। इसी सवाल पर जूझना, नये-नये प्रयोग करना, एक माहौल की रचना करने का अपने आप में ही महत्व है।

यह जो महत्व है ना यह शॉपफ्लोर में स्पष्ट दिखता है। काम के बोझ वाला चिड़चिड़ापन जब थोड़ा कम होता है। काम में एकाग्रता से थोड़ी फुरसत मिलती है। तब माहौल में छनछनाहट आती है।

छनछनाहट? फुलझड़ी?

हाँ। कभी-कभी एक में। कभी-कभी कई में। कभी-कभी सब में। कभी-कभी रिले रेस की तरह फैलती है।

क्या फैलती है?

यह है क्या?

यह वो है। आप क्या बोल रहे थे कुछ देर पहले? जब नुमाइन्दगी के दाँव-पेंच और प्रतिनिधियों के उतार-चढाव से दूर, बहुत दूर को छूने चलते हैं।

तब क्या होता है?

तुझे पता है। और तुझे भी पता है। स्वार्थ, निस्वार्थ, हित, अहित, उद्देश्य,

उपदेश। लक्ष्य। सफलता। असफलता।

इन के असंगत होने की बात हो रही है?

कुछ बेजोड़ हो गये हैं?

बेजोड़ की बात नहीं है। समानांतर हैं, पैरेलल चलती हैं।

हाँ समझ आया। जैसे ही उद्देश्य और लक्ष्य पर सवाल उठाते हो, आप पर शक्तिहीन और भ्रमित के आरोप लग जाते हैं।

आप जो कह रहे हो उसे समझने की मैं कई दिन से कोशिश कर रहा हूँ। विचार प्रयोग कर रहा हूँ। चिन्तन प्रयोग कर रहा हूँ। सोच के नमूने बनाता हूँ।

साथी, कुछ नमूने सुनाओ।

साँस लेना। साँस लेते हैं। साँस छोड़ते हैं। क्वालिटी की बात कर सकते हैं आप, लक्ष्य की नहीं। हवा की क्वालिटी। साँस की क्वालिटी। हवा का लक्ष्य और साँस का लक्ष्य की बात कुछ बेतुकी है।

ऊँहूँ। बात तो रोचक है। सहज है। आप कह रहे हो कि हर वक्त है। दैनिक है। पैरेलल है। सब के साथ है। अभिव्यक्ति में है। परन्तु इस रस की स्वीकार्यता में बाधायें हैं।

जिस समय हम आनन्द में होते हैं। उल्लास में होते हैं। उस समय को टाइम खराब करना कहा जाता है और हम भी कभी-कभी यह बात दोहरा देते हैं।

टाइम खराब करने की बात मैनेजमेन्टों से आती है। टाइम के महत्व की बात भी मैनेजमेन्टों से आती है। यह कँजूसी है। समय को यह दो गुण ही देना कँजूसी है। इन दो गुणों के नाप-तोल में ही लगे रहना मैनेजमेन्टों का दैनिक जीवन है।

वो साँस गिनते हैं। गुड साँस। बैड साँस। गुड-गुड साँस। बैड-बैड-बैड साँस।

ओय ये तो बुद्धि भ्रष्ट हैं। पर हम क्यों इस नाप-तोल में उलझें?

उलझो मत दोस्त। समय को कँजूसी से सिकोड़ने पर बना यह डाँचा खुल कर प्रत्यक्ष है।

सच है यार। सब यह जानते हैं। मैनेजमेन्टों की हमारे बीच आलोचनाओं का यही तो सार है।

हमारी पैरेलल लाइनों का, समानांतर रेखाओं का, छनछनाहट का, जीवन्तता को खुल कर जीने का यह समय है।

फिर से चाय ठण्डी हो गई।

मजदूर लाइब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, एन.आई.टी. फरीदाबाद-121001 (यह जगह बाटा चौक और मुजेसर के बीच गंदे नाले की बगल में है।)

कानून का हाल : क्या बातें है

★उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव में **मोडलामा एक्सपोर्ट** की प्लॉट 204 में इधर काम कम है, ड्युटी 8 घण्टे ही जबकि प्लॉट 200 में ओवर टाइम होता है। कैन्टीन 200 में है और वहीं से 204 में सामग्री आती है। इधर एक महीने से मैनेजमेन्ट ने 204 में समोसों पर रोक लगा दी है। समोसे खाने के आरोप में मैनेजमेन्ट ने तीन महिला वरकर नौकरी से निकाल दी हैं।

★आई एम टी मानेसर में सैक्टर-3 में प्लॉट 31 में **बजाज मोटर्स** फैक्ट्री में स्टाफ ही परमानेन्ट है। करीब 800 मजदूर पाँच ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखते हैं। छह महीने में ब्रेक। भर्ती के समय ही इस्तीफे पर हस्ताक्षर। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की, ओवर टाइम पेमेन्ट सिंगल रेट से। निर्धारित उत्पादन 1600 है तो 2000 दो। दो-चार पीस रिजेक्ट पर सुबह 7 बजे छूटा वरकर साढे आठ बजे लाइन इन्चार्ज से मिले। कार्ड में 7 बजे आउट कर देते हैं पर फैक्ट्री से निकलने नहीं देते। बहुत अधिक चोट नहीं होती तो ई एस आई डॉक्टर मेडिकल छुट्टी नहीं देते लेकिन मैनेजमेन्ट कहती है कि ठीक हो जाओ तब 15-20 दिन में आना। वरकर को एक पैसा न इधर से और न उधर से। ठीक होने पर जगह हुई तो फैक्ट्री में रख लेते हैं, अन्यथा जाओ। बजाज फैक्ट्री में कैन्टीन में भोजन ठीक नहीं, घटिया, महाघटिया।

★दिल्ली में ओखला फेज-2 में प्लॉट ए-119 तथा बी-262 में **एस के बेरी एण्ड ब्रदर्स** कम्पनी की फैक्ट्रियों में मजदूरों की तनखा से पी एफ राशि हर महीने काटी जाती है। लेकिन कम्पनी साल-भर से यह पैसे भविष्य निधि संगठन में जमा नहीं कर रही।

★गुड़गाँव में उद्योग विहार फेज-5, में प्लॉट 558 में ऑटो पार्ट्स बनाती **मोड सेराप इन्डस्ट्रीज** में महिला मजदूर पावर प्रैस चलाती हैं। फैक्ट्री में दो महिला वरकरों में झगड़ा हुआ। ई एस आई की बजाय नर्सिंग होम में मैनेजमेन्ट ने इलाज करवाया। उपचार खर्च के नाम पर तनखा से पैसे काटे। पावर प्रैस पर उँगली कटी, ई एस आई से पेन्शन वाली महिला के पति भी इसी फैक्ट्री में काम करते हैं। मोड मैनेजमेन्ट ने दोनों की तनखा से एक-एक हजार रुपये दो साल काटे। बेटी का विवाह कर लौटे पति-पत्नी को इधर अगस्त में मैनेजमेन्ट ने "काम नहीं है" कह कर ड्युटी पर नहीं रखा। पति-पत्नी ने 15 दिन किये काम के बकाया पैसे देने की कही तो मैनेजमेन्ट बोली कि वो औरतों वाली लड़ाई वाले खर्चे में लग गये।

★आई एम टी मानेसर में सैक्टर-8 में प्लॉट 439-40 में **रूप ऑटो** फैक्ट्री से मई-जून में 300-400 निकालने के बाद 300-400 वरकर हैं। काम डाउन है। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की जगह 11-11 घण्टे की कर दी। लेकिन 11 घण्टे में 12 घण्टे वाला प्रोडक्शन दो। महीने में दो शनिवार को फैक्ट्री में उत्पादन बन्द रहता है परन्तु मैनेजमेन्ट हर शनिवार को फैक्ट्री चलती दिखाती है। हेराफेरी छिपाने के लिये ओवर टाइम के पैसे इधर से उधर।

★ दिल्ली में ओखला फेज-2 में प्लॉट जेड-33 में **कैनेल्स एक्सपोर्ट** फैक्ट्री में हैल्पर की तनखा 7000 रुपये, चेकर की 9-10 हजार रुपये, और टेलर को 8 घण्टे के 460 रुपये। पैसे नगद। ई एस आई नहीं। पी एफ नहीं। सुबह साढे नौ बजे से रात 11 बजे तक रोज काम। ओवर टाइम सिंगल रेट से।

★गुड़गाँव में उद्योग विहार फेज-1 में प्लॉट 105 में **मोडलामा एक्सपोर्ट** फैक्ट्री में धागा कटिंग करती महिला मजदूर को पेमेन्ट में 11 हजार रुपये का चेक दिया। वर्षा में चेक भीग गया। बैंक ने नया चेक लाने को कहा। वरकर ने चेक मोडलामा मैनेजमेन्ट को दिया। आठ महीने बाद इधर मैनेजमेन्ट ने वही भीगा चेक महिला मजदूर को लौटा दिया। किये काम के 11 हजार रुपये वरकर को 26 सितम्बर तक नहीं मिले थे।

★आई एम टी मानेसर में सैक्टर-4 में प्लॉट 200 में **स्टेनले इंजीनियर्ड फासनिंग** फैक्ट्री में स्टाफ ही परमानेन्ट है। दो 12-12 घण्टे की शिफ्टों में काम करते 250 मजदूर ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे हैं। ओवर टाइम पेमेन्ट सिंगल रेट से और कुछ घण्टे खा भी जाते हैं। सैलेरी स्लिप नहीं देते। सोमवार अथवा शनिवार को ड्युटी नहीं गये तो रविवार के पैसे गये। महिला मजदूरों से मैनेजमेन्ट के लोग बदतमीजी करते हैं।

★दिल्ली में ओखला फेज-1, में प्लॉट डी-14/3 में **सोनिया इन्डस्ट्रीज** फैक्ट्री में वाहनो के ब्रेक और ब्रेकशू बनाते 32 मजदूरों की पी एफ नहीं है। ई एस आई 20 वरकरों की ही है।

★गुड़गाँव में उद्योग विहार फेज-1 में प्लॉट 186 में **रादनिक एक्सपोर्ट** फैक्ट्री में करीब दो हजार मजदूर, सिलाई की 16-17 लाइनें। महीने में 100 घण्टे ओवर टाइम, पे-स्लिप में 50 घण्टे से कम दिखाते हैं। पचास घण्टे ओवर टाइम की पेमेन्ट दुगुनी दर से। कैन्टीन ठीक है, थाली 40 रुपये में।

★आई एम टी मानेसर में सैक्टर-3 में प्लॉट 24-25 में **सन्धार कम्पोनेन्ट्स** फैक्ट्री में नब्बे प्रतिशत मजदूर चार ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे हैं। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की, ओवर टाइम सिंगल रेट से। वैसे रविवार को भी फैक्ट्री चलती रही है पर अभी काम डाउन है। इधर बीच में इनवेन्ट्री के लिये शनिवार को भी उत्पादन बन्द रहा। सन्धार कम्पनी के निर्देश अनुसार तीन ठेकेदार कम्पनियाँ मजदूरों को डिनर और छुट्टी के पैसे देती हैं लेकिन एक ठेकेदार कम्पनी यह नहीं देती।

★ गुड़गाँव में उद्योग विहार फेज-3 में प्लॉट 403 में **कैलाश रिब्बन** फैक्ट्री में अगस्त की तनखा 26 सितम्बर तक नहीं दी थी।

★ आई एम टी मानेसर में सैक्टर-7 में प्लॉट 279 में **चन्द्रा इंजिनियर्स** फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट। तनखा हर महीने देरी से, 22-27 तारीख को। फैक्ट्री में काम करते 6 महीने हो जाते हैं तब ई एस आई तथा पी एफ लागू करते हैं।

(बाकी पेज चार पर)

★ **गैलेक्सी ऑफसेट** (184-85 सैक्टर-8, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में 300 वरकर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में इन्डस्ट्रीयल पैकेजिंग प्रिन्टिंग का काम करते हैं। ओवर टाइम पेमेन्ट सिंगल रेट से।

सुरक्षाकर्मी

★**स्विफ्ट सेक्युरिटी सर्विस** द्वारा उद्योग विहार, गुड़गाँव में कम्पनियों को सप्लाई किये गार्ड 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी करते हैं। साप्ताहिक अवकाश नहीं। त्यौहारी छुट्टी नहीं। गार्ड की वर्ष के 365 दिन ड्युटी। ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर, प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर 30-31 दिन के गार्ड के बैंक खाते में स्विफ्ट सेक्युरिटी 11, 110 रुपये भेजती है। जबकि कानून अनुसार कम से कम 23 हजार रुपये गार्ड के बैंक खाते में भेजने थे।

★**सेन्टीनो सेक्युरिटी सर्विस** (मुख्यालय बादशाहपर, गुड़गाँव) ने दिल्ली में ओखला में **गोदरेज** कम्पनी को 16 गार्ड सप्लाई किये हैं। यह गार्ड 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी करते हैं। गार्डों को साप्ताहिक अवकाश नहीं और त्यौहारी छुट्टी भी नहीं। ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर, प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर 30-31 दिन के 12,500 रुपये गार्ड के बैंक खाते में सेन्टीनों सेक्युरिटी भेजती है। जबकि कानून अनुसार कम से कम 36 हजार रुपये गार्ड के बैंक खाते में भेजने थे।

★**सरवेल सेक्युरिटी सर्विस** द्वारा उद्योग विहार, गुड़गाँव में कम्पनियों को सप्लाई किये गार्ड 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी करते हैं। साप्ताहिक अवकाश नहीं। त्यौहारी छुट्टी नहीं। ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर, प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर 30-31 दिन के 12 हजार रुपये गार्ड के बैंक खाते में सरवेल सेक्युरिटी भेजती है। जबकि कानून अनुसार कम से कम 23 हजार रुपये गार्ड के बैंक खाते में भेजने थे।

★**होशो सेक्युरिटी सर्विस** द्वारा ओखला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली में कम्पनियों को सप्लाई किये गार्ड 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी करते हैं। साप्ताहिक अवकाश नहीं , त्यौहारी छुट्टी भी गार्डों को नहीं। ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर गार्ड को 12 घण्टे प्रतिदिन ड्युटी पर 30-31 दिन के 14-15 हजार रुपये गार्ड के बैंक खाते में होशो सेक्युरिटी भेजती है। जबकि कानून अनुसार कम से कम 36 हजार रुपये गार्ड के बैंक खाते में भेजने थे।

बोदा सन्तुलन

✶ फरीदाबाद में **एस्कोर्ट्स फार्मट्रैक ट्रैक्टर** फैक्ट्री में 19 सितम्बर को स्टोर में काम करते वरकर काम बन्द कर बाहर निकल गये। असेम्बली लाइन बन्द हो गई। दो घण्टे उत्पादन बन्द रहा।

स्टोर मजदूरों की बातें : 1) छह महीने पहले जे एम एस ठेकेदार कम्पनी की जगह वक नाम की ठेकेदार आई। वरकर वही रहे। जे एम एस कम्पनी 6 महीने का बोनस दिये बिना चली गई। उन 6 महीनों का बोनस दिया जाये, पूरा बोनस दिया जाये। 2) एस्कोर्ट्स कम्पनी महीने के दूसरे शनिवार को फैक्ट्री बन्द रखती है। कम्पनी द्वारा की जाती सैकेण्ड सैटरडे की छुट्टी के पैसे दिये जायें। 3) साथ में काम करते मजदूरों के कैन्टीन में खाना खाने के पैसे तनखा से नहीं कटते। कैन्टीन में भोजन के लिये हमारे भी पैसे नहीं काटे जायें।

एस्कोर्ट्स कम्पनी उच्च अधिकारियों के आश्वासन के बाद स्टोर वरकरों ने काम आरम्भ किया। दो घण्टे बन्द रहने के बाद फार्मट्रैक ट्रैक्टरों की प्रोडक्शन लाइन चालू हुई।

✶ आई एम टी मानेसर में सैक्टर-4 में प्लॉट 135 स्थित **ग्रोवरसन्स एपरेल्स** फैक्ट्री में इस समय टेलर-वेलर सब का ओवर टाइम। नाइट भी लगती है, रात दो बजे तक काम। दूर वाले वरकर फैक्ट्री में ही सो जाते हैं। नजदीक रहने वाले ज्यादा होते हैं तो इक्ट्ठे हो कर चले जाते हैं, कम होते हैं तो फैक्ट्री में सो जाते हैं। महिला मजदूरों की रात 8 बजे छुट्टी। रविवार को भी पूरी फैक्ट्री चलती है। इधर फिनिशिंग वरकरों को 17 सितम्बर को कहा कि काम ज्यादा आ गया है, इसलिये सुबह 9 की बजाय 8 बजे से ड्युटी रहेगी।

सिलाई की 10 लाइनें हैं। सब चल रही हैं। आठ लाइनों पर ठेकेदार कम्पनियों के जरिये टेलर रखे हैं, पीस रेट पर हैं। छोड़ते रहते हैं। टेलर कम। इधर चेयरमैन फैक्ट्री में आये। बोले कि हर लाइन पर 40 टेलर करो।

शनिवार, 21 सितम्बर को तीन लाइनें साँय 5 बजे बन्द हो गई। पीस रेट टेलरों ने बन्द की थी। पीस रेट बढवाने के लिये। घण्टे-भर फैक्ट्री में रहने के बाद, 6 बजे यह टेलर फैक्ट्री से निकल लिये। रविवार को तीन लाइनें बन्द रही। पीस रेट टेलर फैक्ट्री आये ही नहीं। ग्रोवरसन्स मैनेजमेन्ट ने सब मजदूरों को रविवार को काम करने फैक्ट्री बुलाया था।

सोमवार को भी तीन लाइनों के पीस रेट टेलर फैक्ट्री नहीं पहुँचे। मंगलवार को 11 बजे यह सिलाई कारीगर फैक्ट्री में आये। मैनेजर और जनरल मैनेजर से बातचीत। पीस रेट बढाया। साँय थोड़ी देर मशीनों पर बैठे और 6 बजे चले गये। बुधवार, 25 सितम्बर को सुबह 9 बजे इन टेलरों ने काम आरम्भ किया।

ग्रोवरसन्स फैक्ट्री में कैन्टीन नहीं है। भोजन करने के लिये स्थान नहीं है। मशीनों की बगल में साथ-साथ बैठ कर मजदूर खाना खाते हैं। कम्पनी रोल पर जो मजदूर हैं उन्हें ही मैनेजमेन्ट 11 बजे और 4 बजे चाय देती है। ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे वरकर बाहर जा कर चाय पीते हैं।

ई एस आई और पी एफ हैं। तनखा सब वरकरों की बैंक खातों में भेजते हैं..... लेकिन कई मजदूरों को हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन भी नहीं। तनखा 8000 रुपये ही लेकिन ओवर टाइम के पैसे जोड़ कर गड़बड़ी छिपाते हैं।

तनखा देरी से, अगस्त की 18-19 सितम्बर को बैंक खातों में भेजी।

न्यूनतम वेतन

प्रतिदिन 8 घण्टे की ड्युटी और सप्ताह में एक दिन अवकाश अनुसार सरकारें महीने के लिये न्यूनतम वेतन निर्धारित करती हैं। मतलब : रोज 8 घण्टे काम पर 26 दिन के इतने पैसे कम से कम। आठ घण्टे बाद काम के घण्टे ओवर टाइम। सप्ताह में छुट्टी वाले दिन वाला काम ओवर टाइम काम। ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर सके।

✶ केन्द्र सरकार द्वारा 1 अक्टूबर 2019 से निर्धारित न्यूनतम वेतन यहाँ ए-श्रेणी के शहरों के लिये दे रहे हैं। नोएडा, गाजियाबाद, दिल्ली, गुड़गाँव, फरीदाबाद ए-श्रेणी में आते हैं।

साझेदारी

✶ आई एम टी मानेसर, उद्योग विहार गुड़गाँव, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, नोएडा, फरीदाबाद में मजदूर समाचार का वितरण हर महीने होता है।

✶ मजदूर समाचार के वितरण के दौरान फुरसत से बातचीत मुश्किल रहती है। इसलिये मिलने-बातचीत के लिये पहले ही सूचना देने का सिलसिला आरम्भ किया है। चाहें तो अपनी बातें लिख कर ला सकते हैं, चाहें तो समय निकाल कर बात कर सकते हैं, चाहें तो दोनों कर सकते हैं।

– वीरवार, 31 अक्टूबर को सुबह 6 बजे से साढे नौ तक आई एम टी मानेसर में सैक्टर–3 में बिजली सब–स्टेशन के पास मिलेंगे। खोह गाँव की तरफ से आई एम टी में प्रवेश करते ही यह स्थान है। जे एन एस फैक्ट्री पर कट वाला रोड़ वहाँ गया है।

– उद्योग विहार, गुड़गाँव में फेज–1 में पीर बाबा रोड़ पर वोडाफोन बिल्डिंग के पास बुधवार, 30 अक्टूबर को सुबह 7 से 10 बजे तक बातचीत के लिये रहेंगे। यह जगह पेड़ के नीचे चाय की दुकान के सामने है।

– शुक्रवार, 1 नवम्बर को सुबह 7 से 10 बजे तक चर्चा के लिये ओखला–सरिता विहार रेलवे क्रॉसिंग (साइडिंग) पर उपलब्ध रहेंगे।

✶ फरीदाबाद में अक्टूबर में हर रविवार को मिलेंगे। सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं। बाटा चौक से ऑटोपिन झुग्गियाँ पाँच-सात मिनट की पैदल दूरी पर हैं।

फोन तथा व्हाट्सएप के लिये नम्बर : 9643246782

ई-मेल < majdoorsamachartalmel@gmail.com >

केन्द्र सरकार और उसके संस्थानों में परमानेन्ट कर्मचारियों के लिये इन न्यूनतम वेतनों का कोई अर्थ नहीं है। लेकिन केन्द्र और उसकी संस्थाओं ने ठेकेदार कम्पनियों के जरिये लाखों में सफाईकर्मी, सुरक्षाकर्मी, माल लादने-उतारने वाले, ड्राइवर, कम्प्युटर ऑपरेटर आदि रखे हैं।

अकुशल श्रमिक............15,678 रुपये
अर्ध-कुशल श्रमिक......17,316 रुपये
कुशल श्रमिक...............19,058 रुपये
उच्च कुशल श्रमिक.......20,722 रुपये

सफाई कर्मी की कम से कम तनखा 15,678 रुपये ; बिना शस्त्र वाले गार्ड की 19,058 रुपये और शस्त्र के साथ गार्ड की 20,722 रुपये।

✶ दिल्ली सरकार ने अक्टूबर-आरम्भ तक न्यूनतम वेतन की घोषणा नहीं की है। इसलिये सुप्रीम कोर्ट के आदेश से 1 नवम्बर 2018 से लागू न्यूनतम वेतन ही जारी हैं।

अकुशल श्रमिक............14,000 रुपये
अर्ध-कुशल श्रमिक.......15,400 रुपये
कुशल श्रमिक...............16,962 रुपये

✶ हरियाणा सरकार ने नये ग्रेड की घोषणा नहीं की। मँहगाई भत्ता जुड़ने के बाद 1 जुलाई 2019 से न्यूनतम वेतन

अकुशल श्रमिक............ 9024 रुपये
अर्ध-कुशल ब................9949 रुपये
कुशल ब..................... 10,969 रुपये
उच्च कुशल श्रमिक....... 11,517 रुपये

✶ उत्तर प्रदेश में डी ए जुड़ने के बाद 1 अक्टूबर 2019 से न्यूनतम वेतन

अकुशल श्रमिक...............8279 रुपये
अर्ध-कुशल श्रमिक.........9107 रुपये
कुशल श्रमिक.................10,201 रुपये

कुछ इमेल पते :

ई एस आई महानिदेशक < dir-gen@esic.nic.in >
केन्द्रीय पी एफ आयुक्त < cpfc@epfindia.gov.in >

ई एस आई

★ एक युवा वरकर को नाक की हड्डी बढने से साँस लेने में तकलीफ होती है। फरीदाबाद में एक ऑटो पार्ट्स फैक्ट्री में रोज 12 घण्टे ड्युटी करता था। इधर काम कम होने पर फैक्ट्री से जो 500 मजदूर निकाले गये उनमें यह युवा वरकर भी था।

युवा मजदूर 19 जुलाई को ई एस आई डिस्पैन्सरी गया। डॉक्टर ने जाँच कर **ई एस आई सी मेडिकल कॉलेज एण्ड हास्पिटल,** फरीदाबाद के कान-नाक-गला (ई एन टी) विभाग रेफर कर दिया।

ई एस आई मेडिकल कॉलेज में ई एन टी विभाग डॉक्टरों ने 22 जुलाई को युवा की जाँच की और सर्जन के पास भेजा। सर्जन ने 23 जुलाई को चेक कर सर्जरी की सलाह दी और ई एन टी विभाग प्रमुख से ऑपरेशन की तारीख लेने को कहा।

विभाग प्रमुख से सलाह कर सीनियर रेजीडेन्ट डॉक्टर ने युवा मजदूर से कहा: "ई एन टी विभाग में सर्जरी करने के लिये सामग्री 6 महीने से नहीं है। आगे चार महीने तक सामान आने की उम्मीद नहीं है। इसलिये 4 महीने बाद आना तब ऑपरेशन की तारीख देंगे।"

युवा वरकर दो-तीन बार और ई एस आई मेडिकल कॉलेज गया। ई एन टी विभाग डॉक्टरों की वही बात: "सामान आयेगा तब ऑपरेशन की तारीख देंगे।"

युवा मजदूर यह सब लिख कर 3 सितम्बर को मेडिकल कॉलेज के डीन के पास गया। पढ कर डीन बोले: " आपको ऑपरेशन की तारीख देंगे। क्यों नहीं देंगे? आपका इलाज होगा। आपका फोन नम्बर यहाँ लिखा है। फोन करके बतायेंगे।"

ई एस आई मेडिकल कॉलेज डीन ऑफिस से कुछ दिन बाद युवा मजदूर को फोन आया: " ई एन टी विभाग जा कर ऑपरेशन की तारीख ले लो।"

युवा वरकर 13 सितम्बर को ई एन टी विभाग गया। विभाग प्रमुख और सीनियर डॉक्टर बहुत नाराज हुये: "डीन को शिकायत क्यों की?" और फिर, सीनियर रेजीडेन्ट डॉक्टर ने कई जाँच लिख दी।

ई एस आई मेडिकल कॉलेज में जाँच हुई।

जाँच के बाद 18 सितम्बर को ई एन टी विभाग में डॉक्टरों ने युवा से कहा: " जाओ, सर्जन से ऑपरेशन की तारीख ले लो।"

मिलते ही सर्जन बोली: "ऑपरेशन के लिये सामग्री नहीं है।" युवा मजदूर द्वारा टोकने पर सर्जन फिर बोली: "मैं मैटेरनिटी छुट्टी पर छह महीने के लिये जा रही हूँ। छुट्टी से लौटने के बाद ही ऑपरेशन की तारीख दूँगी।"

युवा वरकर ने ई एन टी विभाग प्रमुख और सीनियर डॉक्टरों को यह बात बताई। वे बोले: "ऑपरेशन वही करेंगी। वो ही तारीख देंगी। हम तारीख नहीं दे सकते।" और, युवा मजदूर द्वारा डीन के पास जाने की कहने पर डॉक्टर बोले: " जाओ।"

ई एस आई मेडिकल कॉलेज डीन ऑफिस गया तो डीलिंग हैण्ड ने युवा से कहा: "मैं डॉक्टरों को नहीं कह सकता। आप डीन से मिल लो।"

प्रसव के लिये सर्जन की छह महीने की छुट्टी की बात पर डीन बोले: " क्या वो ही ऑपरेशन करेंगी तभी ऑपरेशन होगा? मैं व्यस्त हूँ। आप दिवाली बाद आना। ऑपरेशन के लिये दूसरे सर्जन का प्रबन्ध करेंगे।"

★ अप्रैल में आई एम टी मानेसर में एक फैक्ट्री में एक मजदूर घायल हुआ। ई एस आई डॉक्टरों ने उपचार किया। वरकर को डॉक्टरों ने चार बार मेडिकल छुट्टी दी। मजदूर ने वो कागज **ई एस आई कॉरपोरेशन** की राजीव चौक, गुड़गाँव लोकल ऑफिस में जमा किये। मेडिकल फिटनेस दिये जाने के बाद वरकर ड्युटी करने लगा। ई एस आई कॉरपोरेशन से मेडिकल छुट्टियों के पैसे मजदूर को 27 सितम्बर तक नहीं मिले थे। राजीव चौक ई एस आई लोकल ऑफिस जा कर वरकर पूछता है तब कर्मचारी कहते हैं: "कम्प्युटर में चढा दिये हैं। पैसा धीरे-धीरे आता है। कछुआ चाल से आता है।"

जिक्र कर दें: ई एस आई कॉरपोरेशन की 2018 में आमदनी 23 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा थी। ई एस आई सी ने 2018 में करीब 9 हजार करोड़ रुपये खर्च किये।

बोनस

- अगर आपने किसी फैक्ट्री में 1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019 के दौरान 30 दिन भी काम किया है तो उस फैक्ट्री से आपका बोनस लेना बनता है।
- अप्रैल 2018 से मार्च 2019 के दौरान एक फैक्ट्री में दो महीने काम किया, दूसरी फैक्ट्री में चार महीने काम किया, तीसरी फैक्ट्री में पाँच महीने काम किया तो तीनों फैक्ट्रियों से आपका बोनस लेना बनता है।
- आप चाहे परमानेन्ट मजदूर हों, चाहे कम्पनी रोल पर आप कैजुअल वरकर हों, चाहे ठेकेदार कम्पनी के जरिये आप फैक्ट्री में रखे गये हैं, आप सब का बोनस लेना बनता है।
- कम्पनी घाटा बताती है तब भी बोनस में एक महीने की तनखा लेना बनता है।
- कम्पनी मुनाफा दिखाती है तो बोनस में ढाई महीने की तनखा तक आप ले सकते हैं। कम्पनी मुनाफा दिखाती है तब बोनस के अलावा आप "एक्सग्रेशिया" भी ले सकते हैं। बोनस और एक्सग्रेशिया राशि मिला कर चार-पाँच महीनों की तनखाओं के बराबर पैसे मजदूर लेते रहे हैं।

अन्य चीजों की ही तरह बोनस भी लेना होता है। "देते नहीं" का रोना रोने से कुछ नहीं होता। मजदूरों का आपस में चर्चायें करना लेने के लिये असरदार है। मिल कर ही ले सकते हैं।

क्या बातें हैं..... (पेज दो का शेष)

★ फरीदाबाद में सैक्टर-24 में प्लॉट 123 में **सेज मैटल** फैक्ट्री में करीब 900 मजदूर 10-10 घण्टे की दो शिफ्टों में काम करते हैं। वायरिंग बदलेंगे, एक सप्ताह उत्पादन बन्द रहेगा, 25 अगस्त को चालू होगा। हफ्ते बाद बन्द, 1 सितम्बर की कही, फैक्ट्री खुली 10 सितम्बर को। मैनेजमेन्ट ने बैठे दिनों के पैसे देने की कही थी। नहीं दिये, तनखा कम भेजी। मजदूरों ने काम बन्द कर दिया। रात को सब वरकर फैक्ट्री गेट के बाहर बैठे। उत्पादन 11 सितम्बर को भी बन्द। कम्पनी चेयरमैने दोपहर बाद फैक्ट्री पर। पैसे देंगे। सेज मैटल मजदूरों ने काम शुरू किया।

★ गुड शॉट। दिल्ली में ओखला फेज-1 में प्लॉट बी-114 में **पुनियानी लैदर** फैक्ट्री के जनरल मैनेजर को पुनियानी कम्पनी की गुड़गाँव फैक्ट्री के जनरल मैनेजर ने मजदूर समाचार के सितम्बर अंक की प्रति भेजी। कैशियर ने प्रति जी एम को दी। जनरल मैनेजर प्रति ले कर कम्पनी डायरेक्टर के पास गया। नई ठेकेदार कम्पनी जिसने अगस्त में 8-10 हजार रुपये तनखा में मजदूर भर्ती करने शरू किये थे उसका ठेका डायरेक्टर ने तत्काल समाप्त कर दिया। दिल्ली में लागू न्यूनतम वेतन, 14-16 हजार रुपये तनखा वाले जिन 10-12 मजदूरों को 28 अगस्त को नौकरी से निकाला था उन्हें फिर ड्युटी पर ले लिया।

36 हजार

मजदूर समाचार के सितम्बर अंक की 36 हजार प्रतियाँ छपी। व्हाट्सएप और ईमेल द्वारा कई अन्य पाठक जुड़े हैं।

अपने होने की एक अभिव्यक्ति के तौर पर कुछ पाठकों ने मजदूर समाचार की अधिक प्रतियाँ लेना जारी रखा है। उन्होंने नये पाठक समूह निर्मित करना भी जारी रखा है। इसलिये सितम्बर अंक की 36 हजार प्रतियाँ छपी हैं।

मजदूर समाचार की हर महीने 15 हजार के आसपास प्रतियाँ कुछ वर्ष से छप रही थी। इधर एक-डेढ वर्ष से सँख्या तेजी से बढी है। दुगुनी से ज्यादा हो गई है। ऐसे में बहुत अच्छा रहेगा पाठकों द्वारा दो-चार रुपये, दस-बीस रुपये के योगदान बढाना।

सब को निमन्त्रण है।

सम्पर्क के लिये फोन और व्हाट्सएप नम्बर : 9643246782

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिजा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया। **RN 42233**
सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी—551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट।